प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर – 331 403
Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

बलराम जाखड़ व जितेन्द्र सिंह आयेंगे
आज करेंगे आचार्य महाश्रमण 49वें वर्ष में प्रवेष

सरदारषहर, 21 मई, 2010

आचार्य महाश्रमण अपने पदाभिषेक से एक दिन पूर्व 22 मई को जीवन के 49वें वर्ष में प्रवेष करेंगे। वे अपना जन्म दिवस किसी प्रकार के आयोजन रूप में न मनाकर अपने गुरु की समाधि स्थल पर आचार्य महाप्रज्ञ की स्मृति स्तुति करेंगे। वहां ध्यान साधना के लिए प्रातः 6 बजे श्री समवसरण से विहार कर जुलूस के साथ पधारेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए मुनि जयंतकुमार ने बताया कि तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें आचार्य के रूप में पदासिन होने वाले आचार्य महाश्रमण का जन्म सरदारषहर की पावन धरा पर झूमरमलजी दुगड़ की धर्मपत्नी नेमादेवी दूगड़ की कुक्षी से हुआ। बचपन का नटखट मोहन आज सब की आंखों का सरताज बना हुआ है। सबकी आंखे आषा भरी नजरों से आचार्य महाश्रमण को निहार रही है। विलक्षण प्रतिभा के धनी अपने आराध्य का प्रथम जन्म दिवस प्रत्येक श्रद्धालु मनाना चाहता था पर अपने गुरु की स्मृति में आचार्य महाश्रमण ने अपने जन्म दिवस को न मनाने का इंगित कर दिया। अब समाधि स्थल पर ध्यान साधना के बाद मालू फार्म हाउस में केवल प्रवचन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस मौके पर राजनीतिज्ञ बलराम जाखड़ एवं जितेन्द्र सिंह दर्षन कर आषीर्वाद लेंगे। सभी साधु–साध्वी समाज एवं श्रद्धालुओं के द्वारा आचार्य महाश्रमण के 49वें जन्म दिवस पर मौन मंगलकामना प्रस्तुत की जायेगी। आचार्य महाश्रमण 22 मई के दिन मालू फार्म में ही आत्म चिंतन, आत्म मंथन के साथ अगले सूर्योदय के बाद आचार्य पदाभिषेक के बाद आगामी लक्ष्यों के संदर्भ में विचार करेंगे। उन लक्ष्यों का खुलासा विष्व के नाम प्रथम सम्बोधन में कर सकते हैं।

आचार्य महाश्रमण मालु फार्म हाउस में रात्री 8 बजे आयोजित होने वाली आचार्य महाप्रज्ञ स्मृति संध्या में सान्निध्य भी प्रदान करेंगे। इस संध्या में प्रसिद्ध पार्ष्व गायिका अनुराधा पोड़वाल, गजल गायक जितेन्द्र शाह, गायिका मिनाक्षी भूतोड़िया द्वारा सुमधुर स्वरों से आचार्य महाप्रज्ञ की स्मृति की जायेगी। इस संध्या पर आचार्य महाश्रमण भी स्वरचित गीत की प्रस्तुति देंगे। भक्तिरस से सरोबार इस संध्या पर मूलचन्द विकास कुमार मालू विषेष रूप से अपनी श्रद्धा अर्पित करेंगे।

पदाभिषेक के बाद त्रिदिवसीय होगा अभिवन्दना समारोह

मुनि जयंत कुमार ने बताया कि 23 मई को प्रातः 8.30 बजे गांधी विद्या मन्दिर प्रांगण में होने वाले आचार्य महाश्रमण के पदाभिषेक समारोह के बाद 24, 25 एवं 26 मई को उनका अभिवन्दना समारोह आयोजित होगा। पदाभिषेक समारोह में किसी वक्ता को अपनी अभिवन्दना अभिव्यक्त करने का समय न मिलने के कारण अभिवन्दना समारोह में अभिवन्दना प्रस्तुति की जायेगी। यह समारोह श्री समवसरण में आयोजित होगा। जिसमें सम्पूर्ण धर्मसंघ की ओर से आचार्य महाश्रमण के आगामी समय के लिए मंगलकामना की जायेगी।

27 मई से प्रवास नाहटा आवास पर

आचार्य महाश्रमण ने आज श्री समवसरण में प्रवचन सभा के दौरान यह घोषणा की कि आगामी 27 मई से 9 जून तक का प्रवास किषनलाल नाहटा के आवास पर होगा। उन्होंने अपने प्रवास को मुनिचर्या के नियमों को ध्यान में रखते हुए बदला है। उन्होंने बताया कि आचार्य महाप्रज्ञजी स्थिरवास की अवस्था में होने से एक जगह पर लंबे समय तक प्रवास कर सकते थे। पर मेरी उम्र स्थिरवास की नहीं है इसलिए मुझे सरदारषहर ग्राम से बाहर के आवास पर प्रवास करना होगा।

कामनाओं को त्याग से मिलेगी शांति : आचार्य महाश्रमण

आचार्य महाश्रमण ने श्रीसमवसरण में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में कहा कि रोटी, पानी, मकान सबके लिए अपेक्षा है। पर जो इनको ज्यादा से ज्यादा सुविधा भोग विलास का माध्यम बनाने में लगा रहता है और मनोज्ञ इच्छाओं की पूर्ति में उलझा रहता हे वह शांति को कैसे प्राप्त कर सकता है। शांति को पाने के लिए कामनाओं को त्यागना जरूरी है। साधु धर्म है जहां जैसा उपयुक्त आवास मिल जाये वहां समता के साथ रहे। साधु किसी जगह से मोह न करे।

प्रवचन कार्यक्रम में तेरापंथ महिला मण्डल की ओर से नारी सषक्तिकरण का उपक्रम आयोजित हुआ। इसके अन्तर्गत श्रीमती गिन्नीदेवी हनुमानमल दूगड़ की ओर से सिलाई मषीनों को वितरित किया गया। विधायक अषोक पींचा ने मुख्य अतिथि के रूप में विचार रखे। स्वाति दुगड़ ने प्रायोजक परिवार की तरफ से विचार रखे। विभुदेवी बुच्चा ने विधायक पींचा का साहित्य द्वारा सम्मान किया। संचालन मण्डल की अध्यक्षा सूरज बरड़िया ने किया। मण्डल द्वारा निःषुल्क कम्प्यूटर भी दिया जायेगा।

पदाभिषेक के लिए विषेष बसों की व्यवस्था

23 मई को गांधी विद्या मन्दिर के इंजीनियरिंग कॉलेज के विषाल प्रांगण में होने वाले पदाभिषेक समारोह के लिए आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति की ओर से विषेष बसों की व्यवस्था की गई है। गांधी चौक से चलने वाली इन बसों से समारोह में हर कोम का श्रद्धालु पहुंच सकता है।

– शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)